Higher Education

Dr. Mukesh Pancholi

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU) 1985–

परिचय –

भारतवर्ष में जितने भी मुक्त विश्वविद्यालय है, उनमें से इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय का महत्त्वपूर्ण स्थान है। इसकी स्थापना 15 सितम्बर 1985 में संसद के एक अधिनियम द्वारा की गई। यह विश्वविद्यालय सतत् / समावेशी शिक्षा के माध्यम से समावेशी ज्ञान समाज का निर्माण करने में निरंतर प्रयासरत है।

यह विश्वविद्यालय दिल्ली के मैदान गढ़ी गांव में खोला गया है। इसके निर्माण का का उत्तरदायित्व हिंदूस्तान प्रीकेन पब्लिक सेक्टर आर्गेनाइजेशन को सौंपा गया था। विश्वविद्यालय 1985 में खुल चुका था, परंतु प्रबंध समिति वर्ष 1986 में बन सकी व 1987 से इस विश्वविद्यालय ने कार्य करना प्रारंभ कर दिया।

Dr. Mukesh Pancholi

विश्वविद्यालय ने 1987 में दो अकादमिक कार्यक्रम, डिप्लोमा In MGT. of Diploma in Distance Education से शुरुआत की। तब इसमें 4528 छात्र थे।

वर्तमान में 21 स्कूलों के अध्ययन, 67 क्षेत्रीय केन्द्रों का एक नेटवर्क, 2667 लगभग सीखने वाले सहायता केन्द्र, 29 विदेशी भागीदार संस्थानों के माध्यम से भारत व अन्य देशों में 30 लाख से अधिक विद्यार्थियों की आकांक्षाओं को पूरा करता है।

विश्वविद्यालय 228 प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा, डिग्री व डॉक्टरेट प्रदान करता है।

Dr. Mukesh Pancholi

विश्वविद्यालय का जनादेश –

- समाज के सभी क्षेत्रों में उच्च शिक्षा पहुँचाना।
- सभी के लिए विभिन्न स्तरों पर उच्च गुणवत्ता अभिनव व आवश्यकता – आधारित कार्यक्रमों की पेशकश करे, जिनकी उन्हें आवश्यकता है।
- सस्ती लागत पर देश के सभी हिस्सों में शिक्षा वंचितों तक पहुँचाना।
- देश में खुले व दूरस्थ शिक्षा संबंधी मानकों का विकास करना, समन्वय करना व विनियमित करना।

Dr. Mukesh Panchali

विशेष –

- IGNOU, अंतर्राष्ट्रीय मान्यता व उपस्थिति के साथ Open & Distance Learning के लिए राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र, नवीन प्रौद्योगिकीयों व कार्यप्रणालियों का उपयोग करके सतत् व शिक्षार्थी केन्द्रित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास व प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध करवाएगा।
- दूरस्थ शिक्षा में एक विश्व नेता के रूप में, कई बार IGNOU को Common Wealth of Learning (COL), कनाड़ा द्वारा उत्कृष्टता के पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। (1993 केन्द्र के रूप में, सामग्री के लिए 1999)

Dr. Mukesh Pancholi

- विश्वविद्यालय शिक्षण, प्रशिक्षण व अनुसंधान गतिविधियों में गुणवत्ता के लिए प्रतिबद्ध है। Open & Distance Learning में विशेषज्ञता व बुनियादी ढांचे के लिए एकराष्ट्रीय संसाधन के केन्द्र के रूप में कार्य करता है।
- IGNOU ने ने विशिष्ट शिक्षा समूहों पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए Centre for Extension Education, National Centre for Disabilities Studies व Innovation के लिए National Innovation Centre की स्थापना की है।

Dr. Mukesh Pancholi

- 20 सितम्बर, 2004 को एजुसेट (केवल शिक्षा को समर्पित उपग्रह) व अंतर विश्वविद्यालय कंसोर्टियम-फॉर एजुकेशन की स्थापना के साथ, देश में प्रौद्योगिकी सक्षम शिक्षा के नए युग की शुरुआत की है।
- देश के जेलों में कैदियों को मुफ्त शिक्षा दी जा रही है।
- विश्वविद्यालय में बड़ी संख्या में SC/ST छात्रों को प्रवेश दिया गया है।
- शिक्षा चैनल 'ज्ञान दर्शन' का 24 घंटे प्रसारण इग्नू इन चैनलों के लिए नोडल एजेंसी है और EMPC (संचार केन्द्र) इग्नू में स्थित स्टूडियो से कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है।

EMPC = Electronic Media Production Centre

Dr. Mukesh Pancholi

- यूनेस्को ने 2010 में इग्नू को विश्व में उच्च शिक्षा का सबसे बड़ा संस्थान घोषित किया।
- 45 दिन में परीक्षा परिणाम की घोषणा।

उद्देश्य –

ज्ञान के अग्रिम क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए, Open & Distance Learning System के माध्यम से इसके प्रसार को बढ़ावा देना, मूल रूप से सभी के लिए सुगम है। इसके लिए –

- उच्च गुणवत्ता और सीखने वाले केंद्रित व दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के लिए एक सक्रिय भूमिका मॉडल के रूप में राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र के विकास को मजबूत करना।

Dr. Mukesh Pancholi

- देश में दूरस्थ शिक्षा के मानकों में सुधार के लिए पेशेवर क्षमताओं व संसाधनों को साझा करें।
- देश में ODL के संस्थानों का समय-समय पर आंकलन।
- उमरती प्रौद्योगिकी व विधियों का उपयोग नेटवर्क के विकास में।
- वैश्विक सहयोग व साझेदारी विकसित करने के लिए, राष्ट्रीय सीमाओं के पार निर्बाध शिक्षा के लिए काम करना।

Dr. Mukesh Pancholi

संगठनात्मक संरचना -

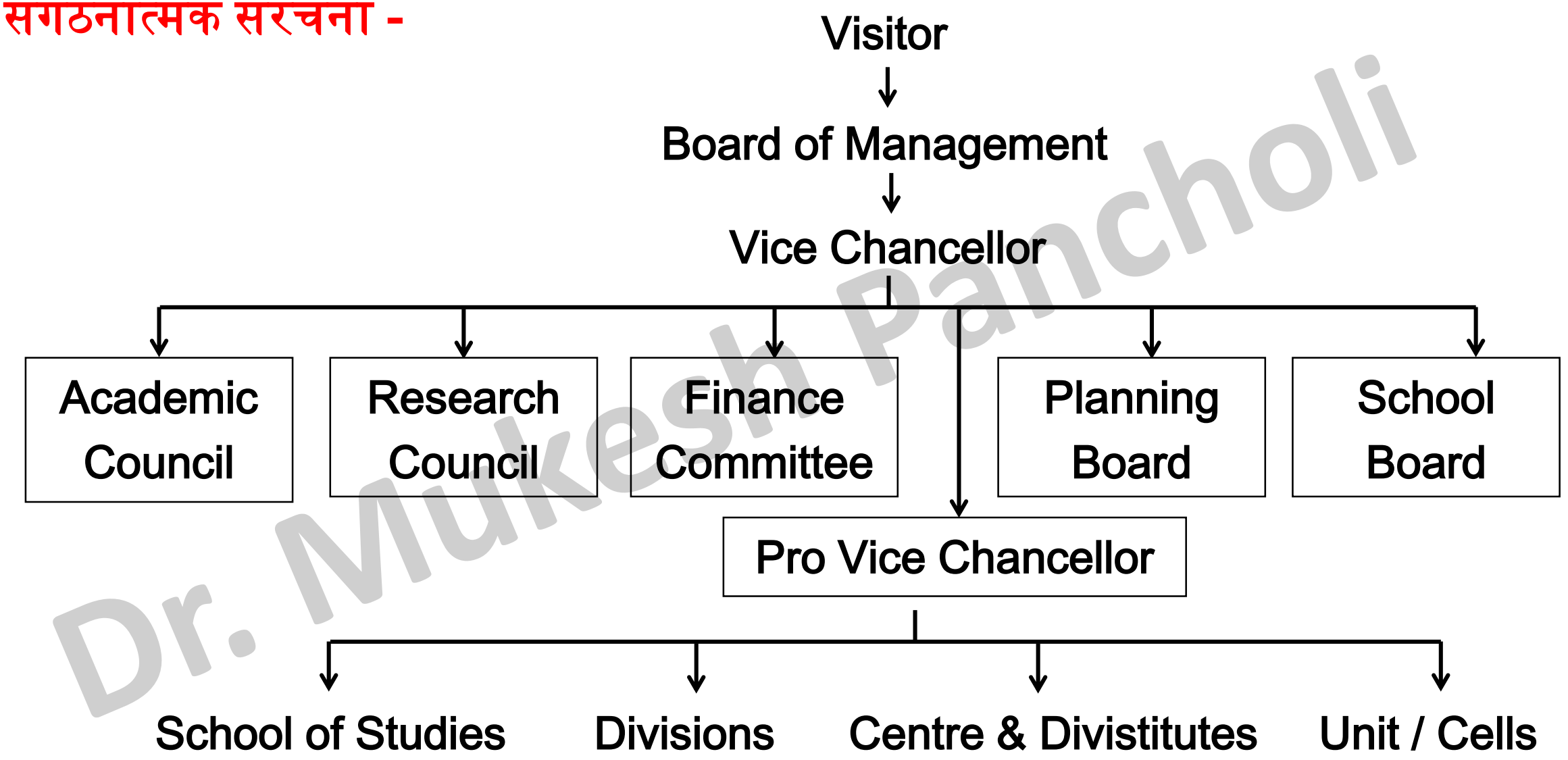

Dr. Mukesh Pancholi

क्षेत्रीय केन्द्र –

IGNOU के 56 Regional Centre, 11 मान्यता प्राप्त Regional Centre (6 इग्नू, आर्मी RRC, 4 IGNOU-Navy RRC, 1 IGNOU-Assam Rifles RRC) शामिल है। Total-67

क्षेत्रीय केन्द्र को इग्नू अधिनियम, 1985 की धारा 21(J) के तहत् परिभाषित किया गया है – 'क्षेत्रीय केन्द्र का अर्थ है, किसी भी क्षेत्र में और उसके लिए अध्ययन केन्द्रों के काम का समन्वय, पर्यवेक्षण करने के उद्देश्य से जो विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित/अनुरक्षित एक केन्द्र।'

इसके अलावा धारा 5(1)(XXVI) के तहत् विश्वविद्यालय को 'किसी कॉलेज या क्षेत्रीय केन्द्र को वैधानिक रूप से निर्धारित तरीके से स्वायत्त दर्जा देने के लिए अधिकार दिया है।'

Dr. Mukesh Pancholi

IGNOU का पाठ्यक्रम व कार्यक्रम –

विश्वविद्यालय परंपरागत व नवीन कार्यक्रमों के अंतर्गत प्रमाण-पत्र, डिप्लोमा, सहायक उपाधि प्रदान करता है। ये विद्यार्थियों की निम्न आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रारंभ किए गए है –

* प्रमाणन, * दक्षता में सुधार, * व्यावसायिक योग्यता अर्जन, * कार्यस्थल पर सतत् शिक्षा व व्यावसायिक विकास, * व्यक्तित्व विकास, * ज्ञान का विविधीकरण, * सशक्तिकरण।

विभिन्न विषयों के अध्ययन में पारस्परिक तालमेल विकसित करने के लिए विद्यापीठों के माध्यम से काम करता है। प्रत्येक विद्यापीठ एक निदेशक के अधीन है, जो कि शैक्षिक कार्यक्रम व पाठ्यक्रम योजना तैयार करके, पर्यवेक्षण व उन्हें विकसित, आयोजित करने का दायित्व संभालते है।

Dr. Mukesh Pancholi

इस समय अध्ययन के निम्न विद्यापीठ कार्यरत है –

* मानविकी विद्यापीठ, * सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, * विज्ञान विद्यापीठ, * शिक्षा विद्यापीठ, * सतत् शिक्षा विद्यापीठ, * इंजीनियरींग व प्रौद्योगिकी विद्यापीठ, * प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ, * स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ, * कम्प्यूटर व सूचना विज्ञान विद्यापीठ, * कृषि विद्यापीठ, * जेंडर व विकास अध्ययन विद्यापीठ, * पर्यटन व आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ, * अंतर विद्याश्रयी व बहुविद्याश्रयी अध्ययन विद्यापीठ, * सामाजिक कार्य विद्यापीठ, * व्यावसायिक शिक्षा व प्रशिक्षण विद्यापीठ, * विदेशी भाषा विद्यापीठ, * अनुवाद व अध्ययन विद्यापीठ, * प्रदर्शन परक व दृश्य कला विद्यापीठ।

Dr. Mukesh Pancholi

मुक्त विश्वविद्यालय की प्रकृति में विद्यार्थी अधिक सक्रिय रूप से भागीदार होता है, अत: शिक्षा देने के लिए निम्न माध्यमों का प्रयोग किया जाता है –

1. स्वशिक्षण लिखित सामग्री
2. दृश्य-श्रव्य सामग्री/दृश्य सामग्री की अवधि 25-30 मिनट
3. दृश्य सामग्री ई-ज्ञान कोश (www.egyankosh.ac.in) पर उपलब्ध है, जो कि IGNOU का डिजिटल शिक्षण भंडार है।

- आकाशवाणी के कुछ चुने केन्द्र भी शिक्षण सामग्री का प्रसारण करते है।

Dr. Mukesh Pancholi

- टेली कांफ्रेसिंग – परस्पर सक्रिय ज्ञान-दर्शन के चैनल के माध्यम से उपग्रह से टेलीकांफ्रेंस सत्रों का सीधे संचालन किया जाता है व IGNOU की वेबसाइट पर भी।
- परियोजना कार्य।

IGNOU का विदेशी, अन्य मुक्त विश्वविद्यालयों से संबंध–

अंतर्राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालयों से संबंध बनाने में विश्व बैंक, एशियन डेवलपमेंट बैंक व यूनेस्को ने बहुत सहायता की है। इसलिए IGNOU का संबंध निम्न अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों से है –

Dr. Mukesh Pancholi

1. औद्योगिक प्रशिक्षण हेतु कनाड़ा का कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग व IGNOU मिलकर कार्य कर रहे है।
2. विश्वविद्यालय ओपन एण्ड डिस्टेंस लर्निंग (SACODiL) व ग्लोबल मेगा यूनिवर्सिटी नेटवर्क (GMUNET) के लिए SAARC कंसोर्टियम में सक्रिय भूमिका निभाता है।
3. यूनेस्को ऐसासिएशन ऑफ यूनिवर्सिटी व IGNOU मिलकर कार्य कर रहे है।
4. तकनीकी व इंजीनियरिंग क्षेत्र हेतु अंतर्राष्ट्रीय तकनीकी विश्वविद्यालय पेरिस व IGNOU मिलकर कार्य कर रहे है।

Dr. Mukesh Pancholi

साक्षात् (SAKSHAT) –

One Stop Education Portal Sakshat, Oct. 2006 में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, इग्नू ने इस मंच के प्रयोग के द्वारा अपने छात्रों को ज्ञान संसाधन प्रदान करने व शिक्षा प्रदान करने के लिए बड़े पैमाने पर योजना बनाई।

Dr. Mukesh Panchal

ज्ञान – दर्शन

परिचय -

1. ज्ञान-दर्शन एक शैक्षणिक टी.वी. चैनल है, जो श्रव्य व दृश्य है।
2. ज्ञान दर्शन का प्रचार-प्रसार 'दूरदर्शन भारती' द्वारा किया जाता है, किंतु इसका स्वामित्व 'मानव संसाधन विकास मंत्रालय' के पास है।
3. प्रारंभ में ज्ञान-दर्शन के माध्यम से केवल 2 घंटे कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता था। जिसे 26 जनवरी 2001 से 24 घंटे के लिए कर दिया गया।

Dr. Mukesh Pancholi

जिसमें 23 घंटे NCERT, IGNOU, National Open University, आदि के कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है तथा 1 घंटे विदेशी कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है।

ज्ञान-दर्शन के प्रकार –

ज्ञान दर्शन के तीन प्रकार हो सकते है –

1. **ज्ञान दर्शन-I** (26 Jan. 2000) – शुभारंभ

उद्देश्य – सामान्य शिक्षा / स्कूल व कॉलेज शिक्षा को बढ़ावा देगा।

नोडल एजेंसी – NCERT

Dr. Mukesh Pancholi

2. ज्ञान दर्शन-II (26 जनवरी, 2003) शुभारंभ

उद्देश्य – तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देना।

नोडल एजेंसी – IIT दिल्ली

अन्य नाम – एकलव्य चैनल

नोट –

I. ज्ञान दर्शन के सभी कार्यक्रमों का निर्धारण NCERT के 'केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान' के द्वारा तैयार किए जाते हैं। Central Education Technology Institute (CETI)

II. ज्ञान दर्शन के कार्यक्रम प्रारंभ में INSAT3C से जोड़े गए थे, जिन्हें वर्तमान में G-SAT10 से जोड़ दिया गया है।

Dr. Mukesh Pancholi

ज्ञानदर्शन के उद्देश्य –

1. चैनल के माध्यम से शैक्षिक व सामाजिक कार्यक्रमों का प्रसारण करना।
2. दूरस्थ शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा देना।
3. बालकों का सर्वांगीण विकास करना।

3. ज्ञानदर्शन-III (26 जनवरी, 2004) यूजीसी द्वारा संचालित

अन्य नाम – व्यास चैनल

उद्देश्य – उच्च स्तरीय शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा देना।

- ज्ञानदर्शन के कार्यक्रमों का प्रसारण दूरदर्शन भारती द्वारा किया जाता है।

Dr. Mukesh Panchol

ज्ञान-वाणी

परिचय –

ज्ञानवाणी एक श्रव्य F.M. Radio चैनल है, जिसके माध्यम से प्राथमिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा, तकनीकी शिक्षा आदि से संबंधित कार्यक्रमों का प्रसार किया जाता है, जो हिंदी, अंग्रेजी व स्थानीय भाषा में किए जाते है।

इनका प्रसार FM रेडियो के 105.6 MHZ पर किया जाता है।

Dr. Mukesh Pancholi

ज्ञान वाणी से संबंधि महत्त्वपूर्ण तथ्य –

1. भारत में प्रथम ज्ञानवाणी स्टेशन की सथापना 7 नवम्बर, 2001 को तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री श्री मुरलीमनोहर जोशी ने किया, किंतु इनका शुभारंभ 7 जुलाई, 2003 को किया गया।
2. ज्ञानवाणी की नोडल एजेंसी केन्द्र स्तर पर IGNOU व राज्य स्तर पर राज. प्राथमिक शिक्षा परिषद्, जयपुर है।
3. ज्ञानवाणी के माध्यम से वर्तमान में 16 घंटे [(6 AM to 12 PM) (1 PM to 11 PM)] तक कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है।
4. ज्ञानवाणी का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ शिक्षा प्रणाली एवं अनौपचारिक शिक्षा प्रणाली को बढ़ावा देना है।

Dr. Mukesh Pancholi

Edu-SAT (सजुसेट) –

1. एजुसेट एक कृत्रिम उपग्रह है, जिसका पूरा नाम Educational Satellite है।
2. भारत में इसे 20 सितम्बर, 2004 को 'इसरो' के सहयोग से, हरिकोटा प्रक्षेपण स्थल (आंध्रप्रदेश) से छोड़ा गया।
3. इसका मुख्य उद्देश्य 1 समय में 1 शिक्षक के द्वारा किए जाने वाले कार्यों का प्रसारण, अनेक स्थानों पर बालकों/विद्यार्थियों तक पहुँचाना है।
4. प्रारंभ में यह उपग्रह GSAT-(3) के नाम से 7 वर्ष के लिए छोड़ा गया। जिसके स्थान पर GSAT-14v (5 जून, 2014 को) 12 वर्ष के लिए छोड़ा गया है।

Dr. Mukesh Pancholi